विहार विधान-सभा वादवृत्त।

बुधवार, तिथि २३ मार्च, १९६०।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार, तिथि २३ मार्च १९६० को ११ बजे पूर्वाह्न में अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

श्री दीपनारायण सिंह—महाशय, मैं गत षष्ठ सत्र (सितम्बर-अक्टूबर, १९५९) के

---

९५५ अनागत प्रश्नों में से १२१ अनागत तारांकित प्रश्नों के उत्तर मेज पर रखता हूं। शेष प्रश्नों के उत्तर सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर उपलब्ध कराये जायेंगे।

ये हैं गत षष्ठ सत्र (सितम्बर-अक्तूबर, १९५९) के १२१ तारांकित प्रश्नों के उत्तर जो समयाभाव के कारण सदन में नहीं दिये जा सके। शेष प्रश्नों के उत्तर सम्बन्धित विभागों से प्राप्त होने पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

एनायतुर रहमान,
सचिव,
विहार विधान-सभा।

सूची।

क्रम सं०।	सदस्य का नाम।	प्रश्न संख्या।
१	श्री इन्द्र नारायण सिंह	५५
२	श्री प्रभुनारायण राय	६६, १२६, २८७
३	श्री सुखु मुर्मू	७२
४	श्री डुमरलाल बैठा	१२२
५	श्री जयनारायण झा 'विनीत'	१२३
६	श्री राजाराम आर्य	१२५
७	श्री राम जयपाल सिंह	१२८, ४२१, ११३२, ११९२
८	श्री सुखदेव मांझी	१५२
९	श्री ब्रजनन्दन शर्मा	१६३, ३३८, ८९६
१०	श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह	१६९, २८८
११	श्री महावीर राउत	१८८, २७३
१२	श्री अब्दुल गफूर	२४०

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(४) गांव की आबादी ३६४ है तथा शिक्षा सर्वेक्षण विवरण में यहां स्कूल प्रस्तावित नहीं किया गया है। फिर भी उपर्युक्त बातों को ध्यान में रखते हुए यहां स्कूल देने के प्रश्न पर विचार किया जा रहा है।

खेसर मिड्ल स्कूल के आय-व्यय की जांच।

१३५१। श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत बेलहर थाने के खेसर में जब से मिडिल स्कूल (जो खेसर हाई स्कूल के हाते में है) की स्थापना हुई है, तब से लेकर आजतक उसके हिसाब-किताब की जांच सरकारी ऑडिटर द्वारा नहीं की गई है;

(२) क्या यह बात सही है कि उस स्कूल के हिसाब-किताब में काफी गोलमाल है और प्रधानाध्यापक के द्वारा नियमित रूप से स्कूल का रेकार्ड्स मेन्टेन नहीं किया जाता है;

(३) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्कूल के हिसाब-किताब की जांच सरकारी ऑडिटर द्वारा कराकर उसकी एक रिपोर्ट सभा भवन की मेज पर रखने का विचार करती है, यदि नहीं, तो क्यों, यदि हां; तो कबतक?

कुमार गंगानन्द सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर नकारात्मक है। विभागीय पदाधिकारियों ने समय-समय पर इस स्कूल के आय-व्यय और अभिलेखों की जांच की है पर कभी भी हिसाब-किताब में कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई है; सभी अभिलेखों को प्रधानाध्यापक नियमित रूप से रखते हैं।

(३) खंड (२) के उत्तर को दृष्टिगत रखते हुए अभी सरकारी अंकेक्षक द्वारा उक्त स्कूल के हिसाब-किताब की जांच करवाने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है।

बहुधंधी उच्च माध्यमिक गांधी विद्यालय की आय का व्योरा।

१३५२। श्री देवनन्दन प्रसाद—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि गया जिलान्तर्गत बहुधन्धी उच्च माध्यमिक गांधी विद्यालय, नवादा की परीक्षा फी तथा एथलेटिक फण्ड के कितने रुपये अभी जमा हैं और रुपया कहां रखा जाता है?

कुमार गंगानन्द सिंह—इस विद्यालय की परीक्षा फी तथा एथलेटिक फण्ड में क्रमशः ३० रुपये २७ नये पैसे तथा ७१८ रुपये ३ नये पैसे तिथि ६ मार्च १९६० तक जमा थे। इन्हें विद्यालय के साधारण कोष की रकम को जमा करने के लिये खोले गये पास-बुक एकाउन्ट में रखा गया था। इन रुपयों को नियमानुसार प्रधानाध्यापक तथा केन्द्रीय समिति के एक सदस्य के नाम से बैंक में रखने का आदेश विद्यालय अधिकारी को दिया जा रहा है।

श्री राजेन्द्र प्रसाद की पदोन्नति।

१३५३। श्री देवनन्दन प्रसाद—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि श्री नवीनकान्त झा, सहायक शिक्षक, चुकलिया (सिंहभूम) १९५४-५५ सत्र में भागलपुर ट्रेनिंग कॉलेज से ट्रेनिंग प्राप्त किये हैं;

(२) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त दोनों व्यक्ति ट्रेनिंग करने के पहले न किसी राजकीय स्कूलों में और न स्कूल अवर निरीक्षक के पद पर ही कभी काम किये हैं;

(३) क्या यह बात सही है कि उक्त दोनों सज्जनों का साक्षात्कार जून, १९५९ में हुआ और शिक्षा अधिसेवा की उच्च श्रेणी में पदोन्नति की गई है;

(४) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या कारण है कि इन दोनों से पहले काम करने वाले राजेन्द्र प्रसाद सिंह अवर विद्यालय निरीक्षक, सहरसा की अभी तक पदोन्नति नहीं की गई?

कुमार गंगानन्द सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर नकारात्मक है। ये दोनों व्यक्ति प्रशिक्षण से पहले राजकीय उच्च विद्यालय, जगन्नाथपुर में क्रमशः ३ वर्ष एवं ४ वर्ष तक सहायक शिक्षक के पद पर कार्य किये थे।

(३) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(४) श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह को केन्द्रीय प्रोन्नति समिति (जिसकी बैठक जून, १९५९ में सचिवालय में हुई थी) ने अन्तर्वीक्षा में प्रोन्नति के लिये योग्य नहीं पाया।

बुधुआ बरिआवा में निम्न कन्या विद्यालय।

१३५४। श्री रामाधार दुसाध—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया जिला के कुटुम्बा थानान्तर्गत बुधुवा बरिआवा एक बहुत बड़ी बस्ती है जिसकी जनसंख्या ८०० से अधिक होने पर भी वहां द्वितीय